तुरंत जारी करने हेतु (प्रेस विज्ञप्ति सं.29/2020)

<u>प्रेस के लिए सूचना नोट</u>

सत्यमेव जयते

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

मई दिल्ली, 8 मई, 2020

(www.trai.gov.in)

TRAI

31 जनवरी, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1156.44**	**20.58**	**1177.02**
जनवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.00	-0.42	4.58
मासिक वृद्धि दर	0.43%	-2.00%	0.39%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**644.54**	**18.21**	**662.75**
जनवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.56	-0.26	0.30
मासिक वृद्धि दर	0.09%	-1.42%	0.05%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**511.90**	**2.37**	**514.27**
जनवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.44	-0.16	4.28
मासिक वृद्धि दर	0.87%	-6.21%	0.84%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**85.92%**	**1.53%**	**87.45%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	140.20%	3.96%	144.16%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	57.76%	0.27%	58.03%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.73%	88.47%	56.31%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.27%	11.53%	43.69%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**654.30**	**19.08**	**673.39**

- जनवरी, 2020 के माह में 5.33 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से दिसंबर, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 470.08 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 475.40 मिलियन हो गया।

- जनवरी, 2020 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 986.42 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,172.44 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 1,177.02 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.39 प्रतिशत दर्ज की गयी। दिसंबर, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 662.45 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 662.75 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 509.99 मिलियन से बढ़कर 514.27 मिलियन हो गई। जनवरी, 2020 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर 0.05 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 0.84 प्रतिशत रही।

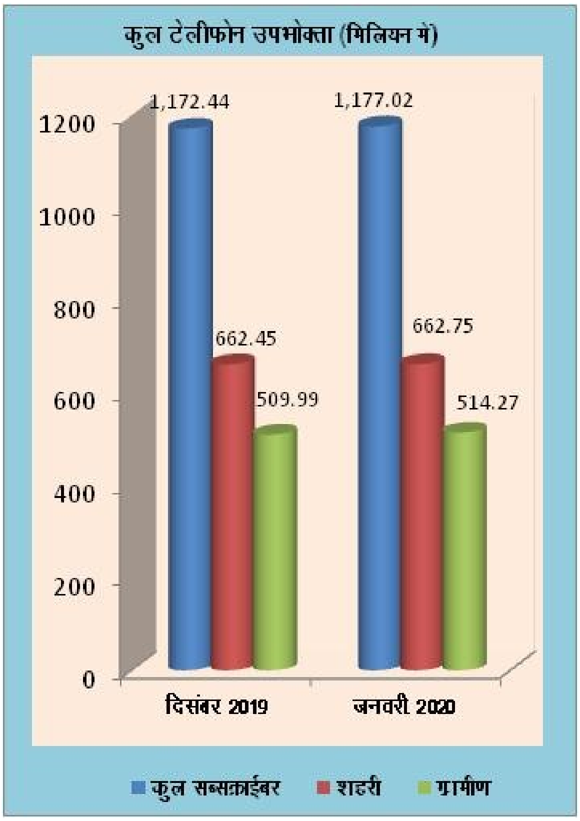

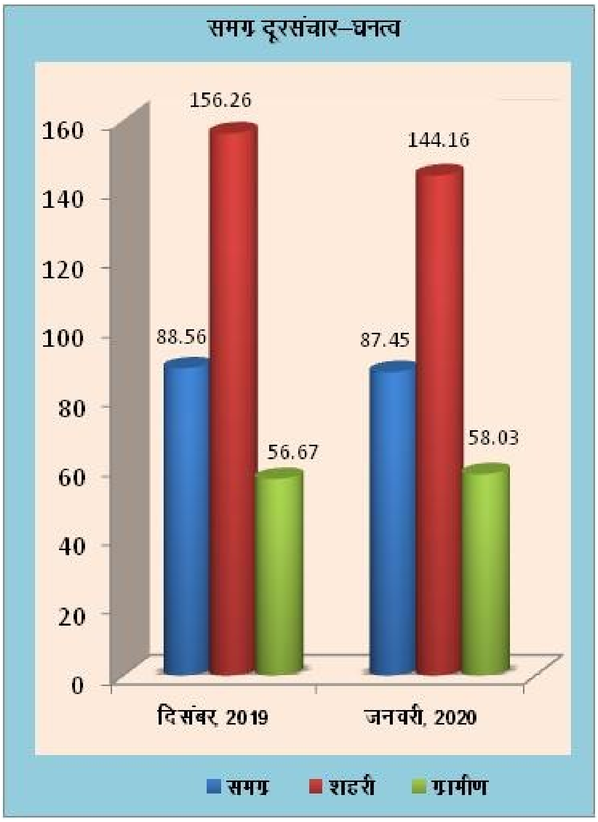

- दिसंबर, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 88.56 से घटकर जनवरी, 2020 के अंत तक 87.45 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2019 के अंत तक 156.26 से घटकर जनवरी, 2020 के अंत तक 144.16 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी दिसंबर, 2019 के अंत तक 56.57 से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 58. 03 हो गया। जनवरी, 2020 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.31 प्रतिशत तथा 43. 69 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि जनवरी, 2020 के अंत में नौ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 280.11 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 53.07 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारतीय जनगणना 2011 की जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

जनवरी, 2020 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जनवरी, 2020 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1,85,059	18,20,499	79,46,802	39,81,04,807
श्रेणी – ख	-2,27,234	14,41,628	47,95,120	46,59,26,396
श्रेणी – ग	-7,444	14,36,377	8,31,965	17,54,10,377
महानगर	-42	3,03,167	70,10,868	11,69,97,190
अखिल भारतीय	**-4,19,779**	**50,01,671**	**2,05,84,755**	**1,15,64,38,770**

जनवरी, 2020 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (दिसंबर, 2019 से जनवरी, 2020 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2019 से जनवरी, 2020 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-2.28%	0.46%	-7.40%	-1.86%
श्रेणी – ख	-4.52%	0.31%	-11.68%	-3.23%
श्रेणी – ग	-0.89%	0.83%	-8.71%	-1.54%
महानगर	0.00%	0.26%	2.02%	0.23%
अखिल भारतीय	**-2.00%**	**0.43%**	**-5.55%**	**-2.16%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जनवरी, 2020 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि तथा अन्य सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में जनवरी, 2020 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,151.44 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 1,156.44 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.43 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत तक 643.97 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 644.54 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 507.46 मिलियन से बढ़कर 511.90 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर 0.09 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर 0.87 प्रतिशत रही।

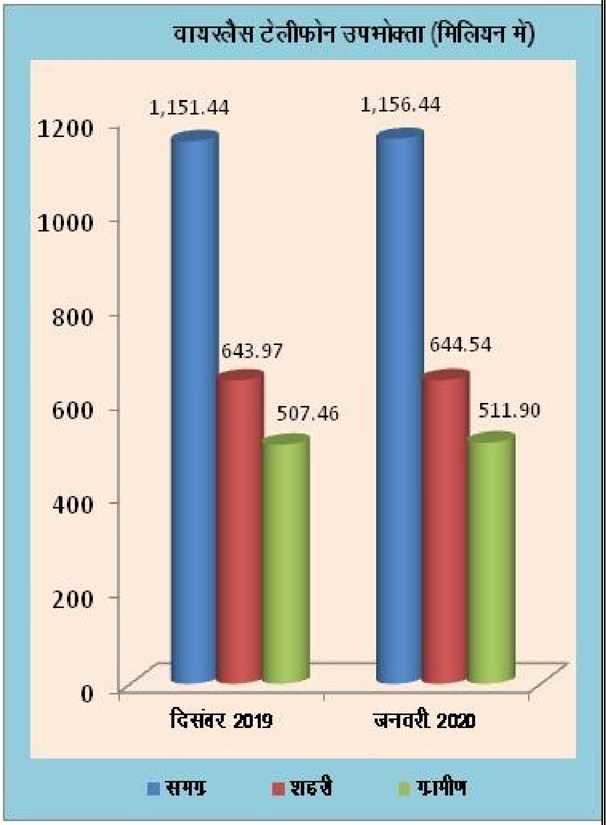

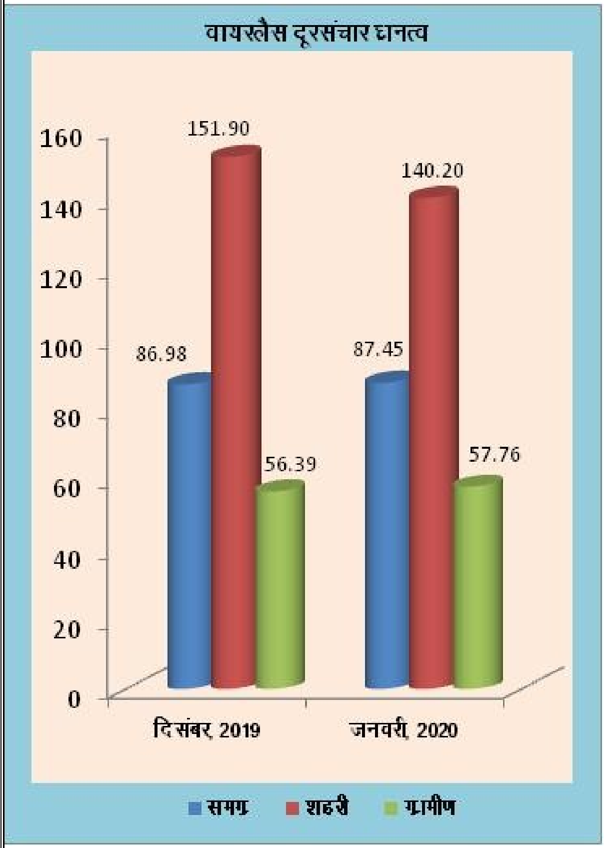

- दिसबंर, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 86.98 से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 87.45 हो गया। शहरी क्षेत्रों में दिसंबर, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 151.90 से घटकर जनवरी, 2020 के अंत में 140.20 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 56.39 से बढ़कर 57.76 हो गया। जनवरी, 2020 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.73 प्रतिशत तथा 44.27 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.39 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.61 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।
- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः–

31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

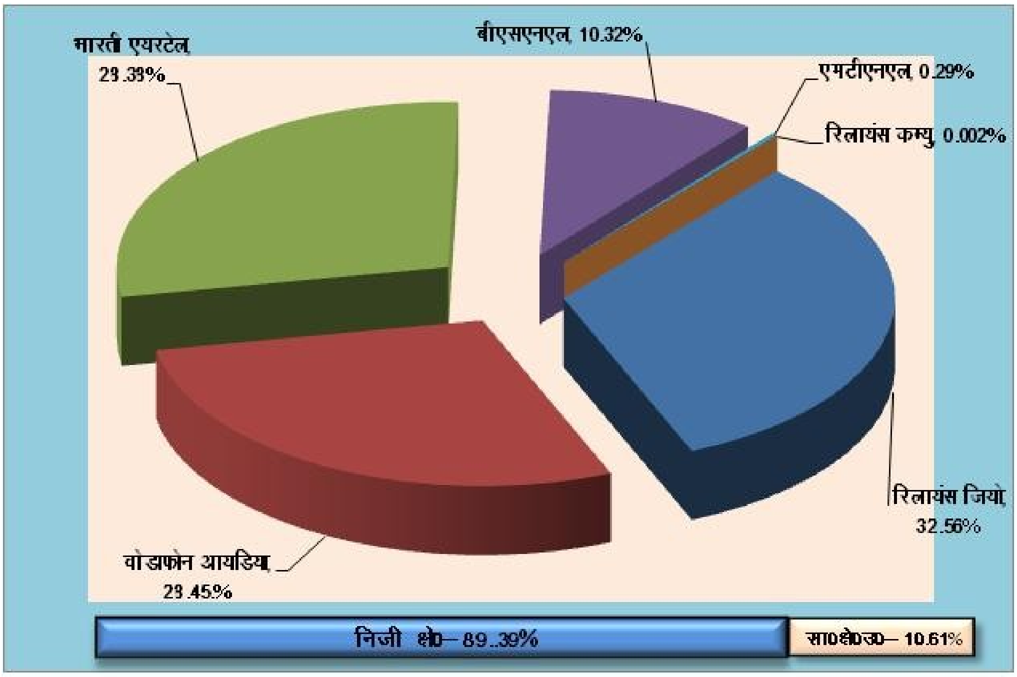

जनवरी, 2020 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

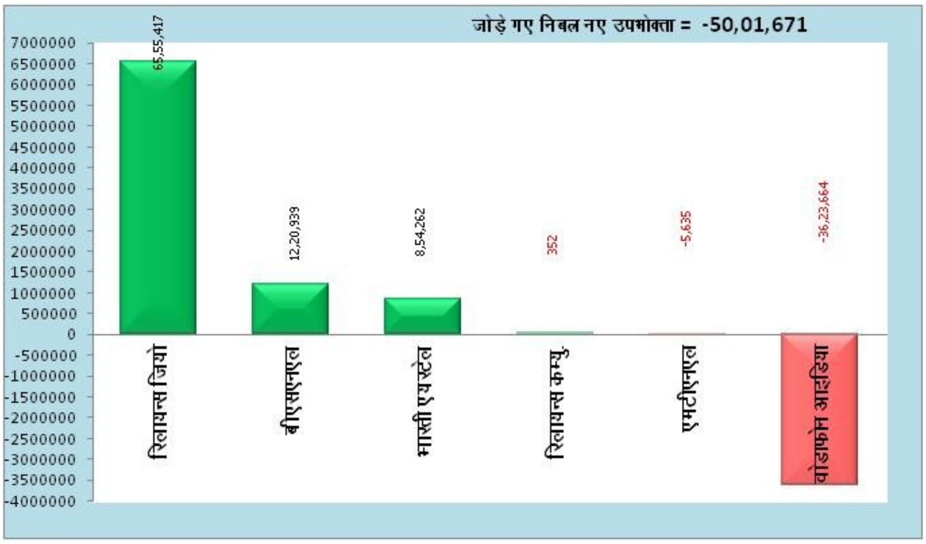

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्ताओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जनवरी, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,156.44 मिलियन) में से 986.42 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 85.30 प्रतिशत था।

- जनवरी, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

जनवरी, 2020 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

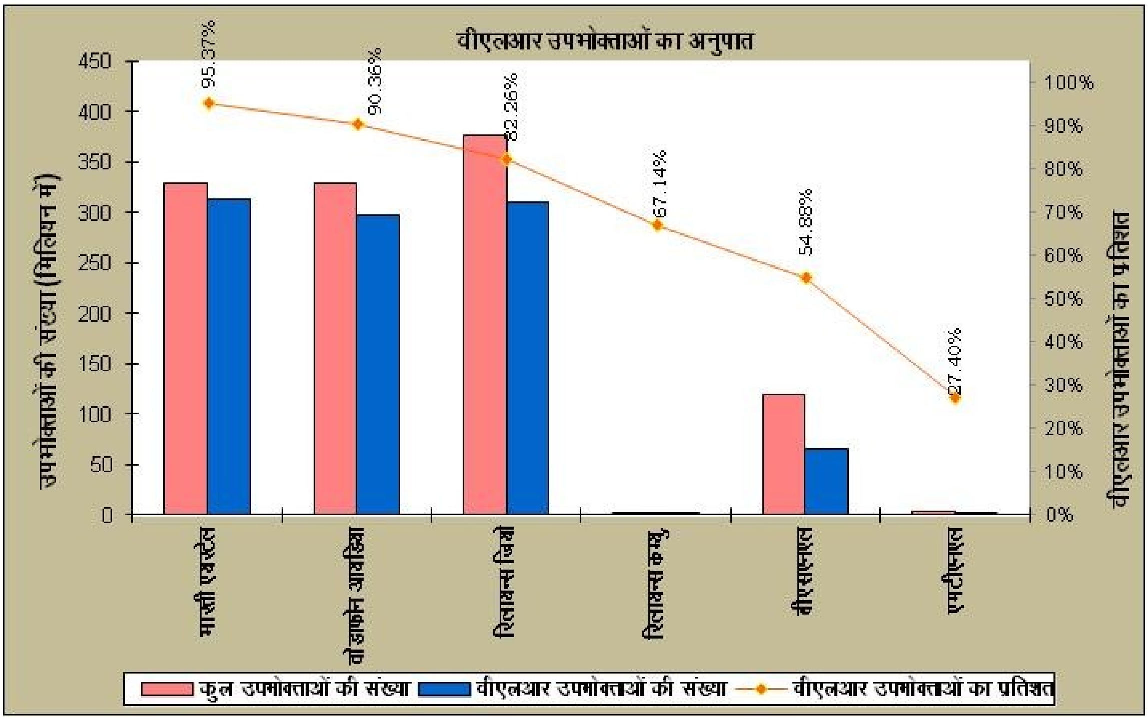

- जनवरी, 2020 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 95.37 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 27.40 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

जनवरी, 2020 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

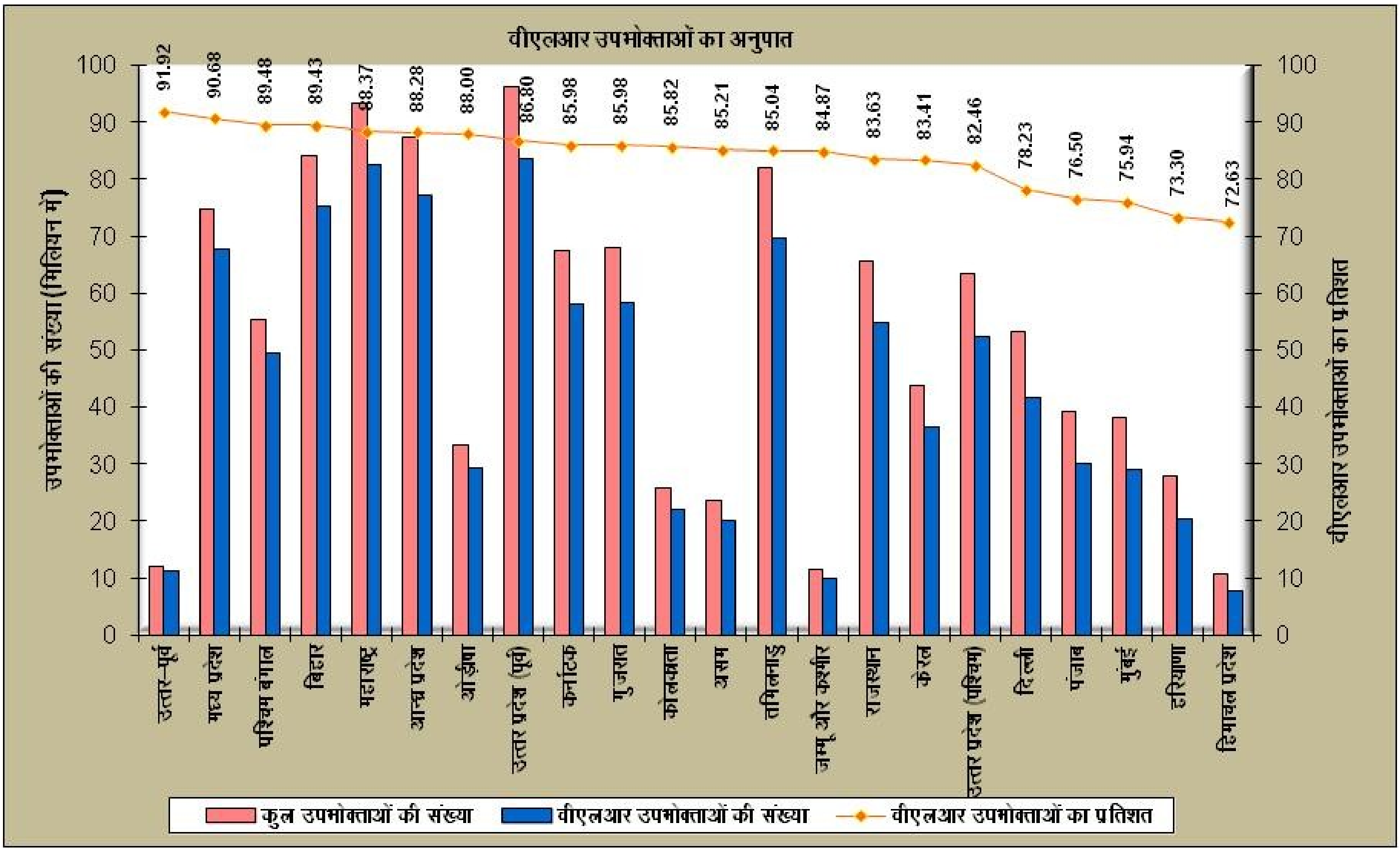

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जनवरी, 2020 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

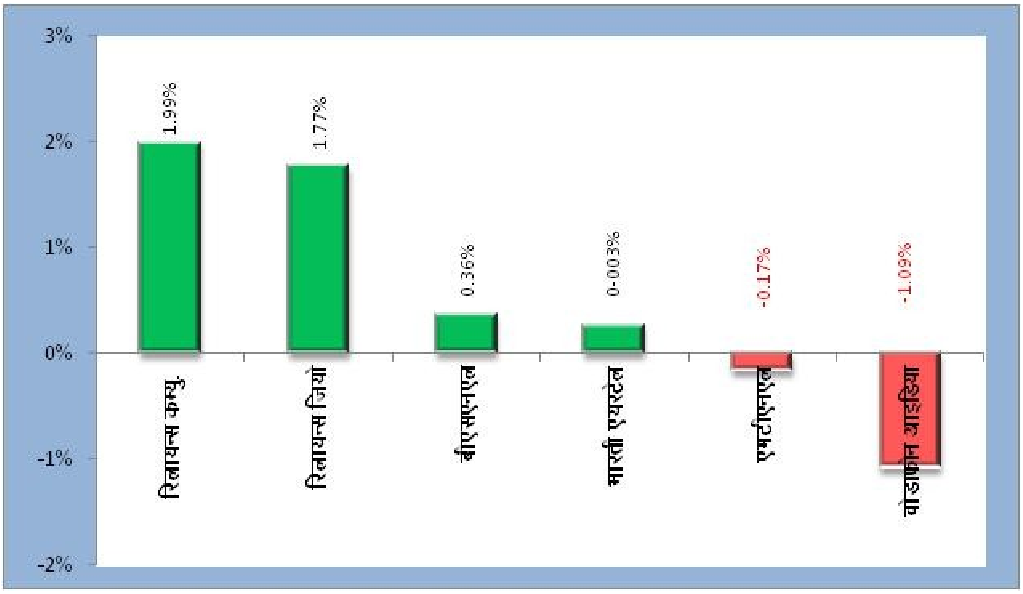

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

जनवरी, 2020 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

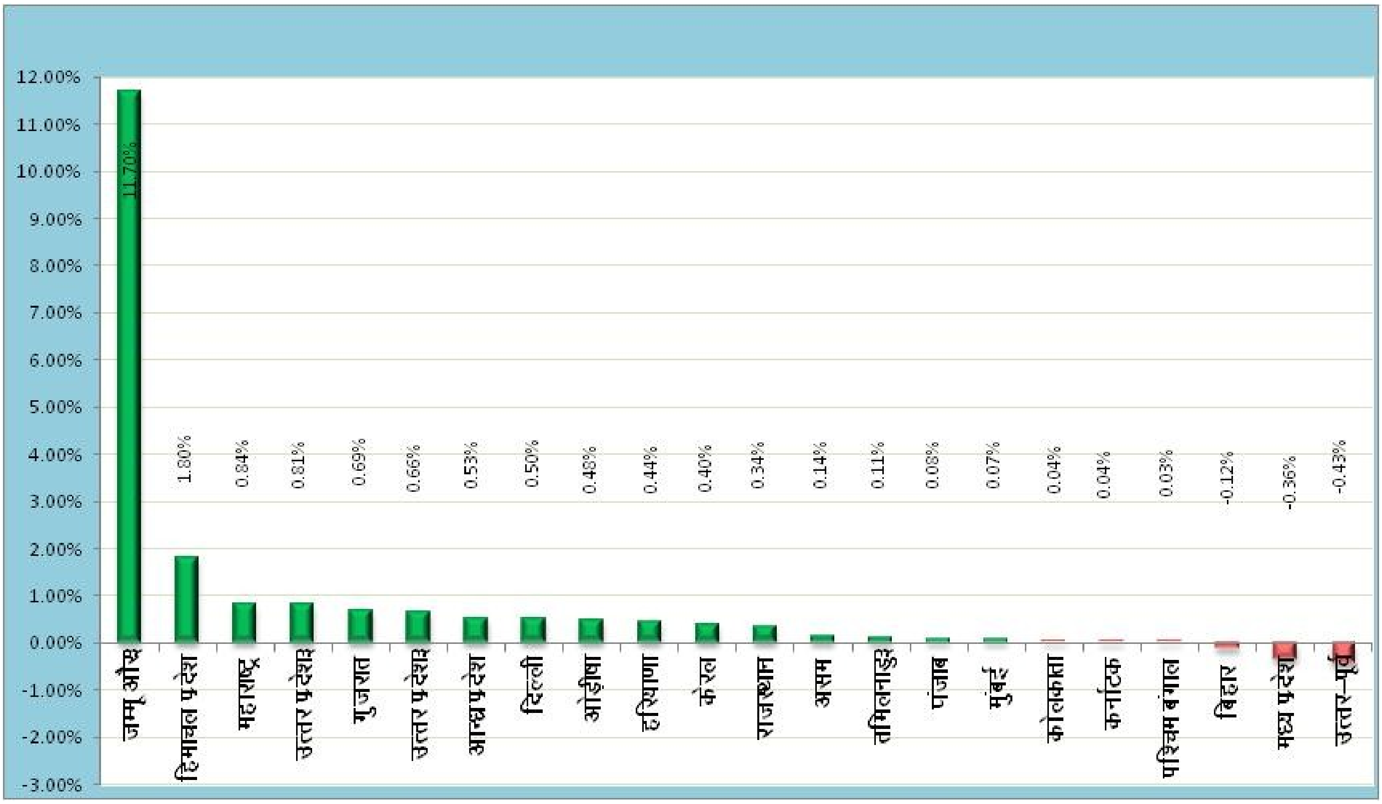

- जनवरी, 2020 माह के दौरान बिहार, मध्य प्रदेश एवं उ०प्र० (पूर्व) को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान जम्मू और कश्मीर सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 11.70 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षे़त्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जनवरी, 2020 के माह में कुल 5.33 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.33 मिलियन अनुरोधों में से 3.14 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.19 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी

एमएनपी अनुरोध दिसंबर, 2019 के अंत तक 470.08 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत तक 475.41 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 36.76 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 36.54 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 43.06 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 39.95 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन– I			जोन– II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020		दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020
दिल्ली	24.23	24.52	आन्ध्र प्रदेश	39.58	39.95
गुजरात	31.33	31.71	असम	3.61	3.63
हरियाणा	16.97	17.14	बिहार	19.23	19.51
हिमाचल प्रदेश	2.29	2.32	कर्नाटक	42.77	43.06
जम्मू और कश्मीर	1.14	1.15	केरल	11.86	12.03
महाराष्ट्र	35.88	36.54	कोलकाता	11.11	11.20
मुंबई	23.55	23.74	मध्य प्रदेश	31.16	31.51
पंजाब	18.15	18.35	उत्तर–पूर्व	1.40	1.41
राजस्थान	36.45	36.76	ओड़ीशा	9.39	9.47
उत्तर प्रदेश–पूर्व	26.36	26.90	तमिलनाडु	39.27	39.60
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	21.27	21.65	पश्चिम बंगाल	23.06	23.27
कुल	**237.63**	**240.77**	कुल	**232.44**	**234.64**
कुल (जोन– I + जोन– II)				**470.08**	**475.41**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जनवरी, 2020 माह में)					5.33 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2019 के अंत तक 21 मिलियन से घटकर जनवरी, 2020 के अंत तक 20.58 मिलियन हो गया। इस माह में 2.00 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.41 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। जनवरी, 2020 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 88.47 प्रतिशत तथा 11.53 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2019 माह के अंत में 1.59 से घटकर जनवरी, 2020 माह के अंत में 1.53 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.96 तथा 0.27 रहा।

- 31 जनवरी, 2020 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 59.56 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जनवरी, 2020 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

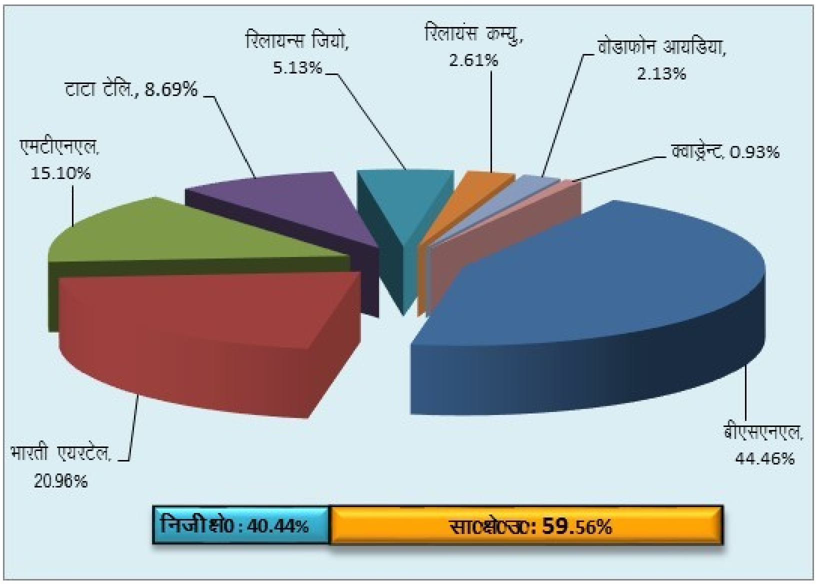

जनवरी 2020 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

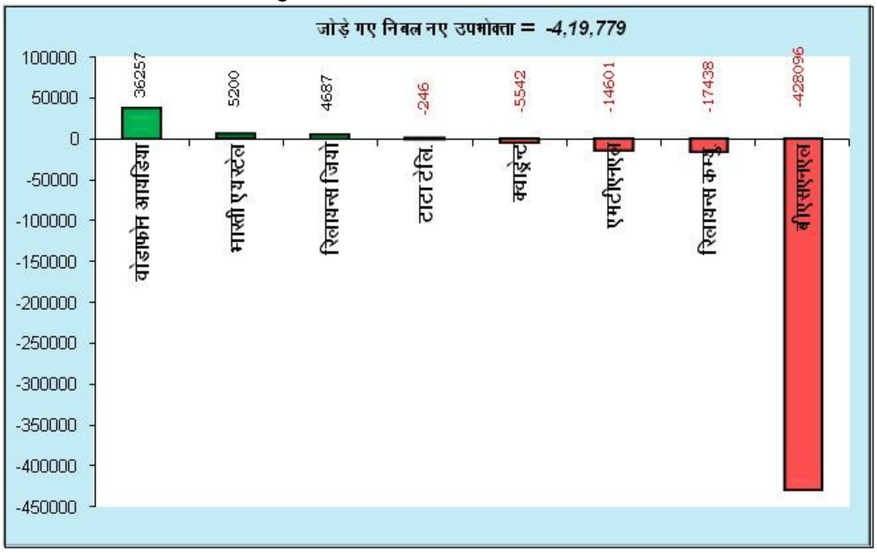

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- दिसंबर माह में 343 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 661.94 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2020 के अंत में 673.40 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.73 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जनवरी, 2020 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 दिसंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.14	19.08	-0.27%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	642.19	653.71	1.79%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू–प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.61	0.60	-2.21%
कुल	**661.94**	**673.39**	**1.73%**

- जनवरी, 2020 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.99 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (377.41 मिलियन), भारती एयरटेल (144.77 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (117.95 मिलियन), बीएसएनएल (24.91 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.54 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.01.2020 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

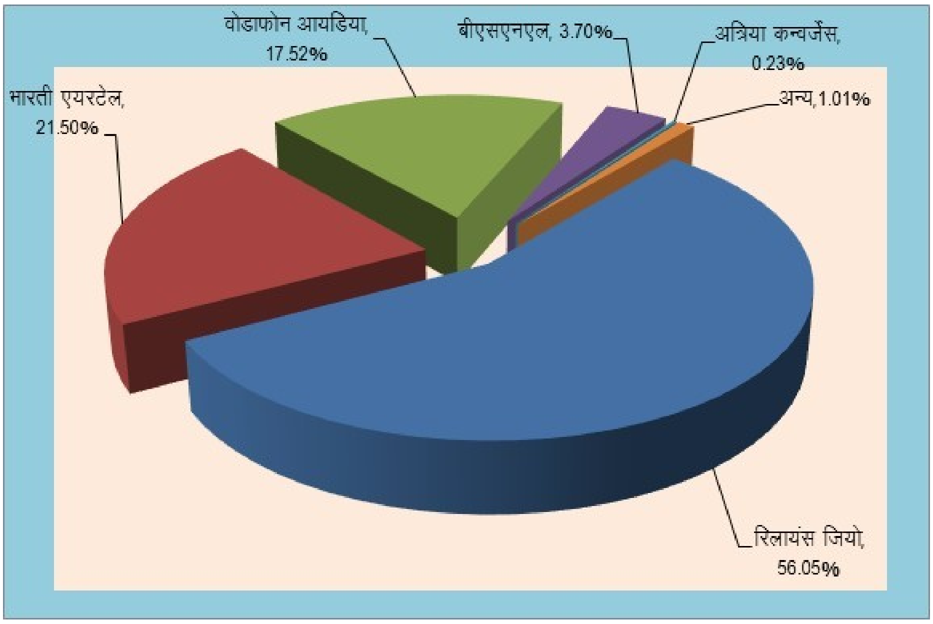

- दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.23 मिलियन), भारती एयरटेल (2.43 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.54 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.92 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.84 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (376.57 मिलियन), भारती एयरटेल (142.34 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (117.93 मिलियन), बीएसएनएल (16.67 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.20 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेल: skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत:

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020
आन्ध्र प्रदेश	28873882	29073195	2176	2233	18885514	18794095	9914603	9891040					29346713	29724407	**87022888**	**87484970**
असम	8358529	8315900			4633250	4539372	2743312	2761008					7872608	8023651	**23607699**	**23639931**
बिहार	35456281	35198140	383	383	15431406	14823964	5310328	5459122					28123388	28740101	**84321786**	**84221710**
दिल्ली	15572477	15624496	1729	1810	17701405	17646831					2186235	2184561	17485005	17756333	**52946851**	**53214031**
गुजरात	10962911	11070661	577	615	27506873	27359352	6085008	6097309					22893405	23387210	**67448774**	**67915147**
हरियाणा	4479975	4493585	140	140	9156703	9083847	4955027	5039948					9203509	9299386	**27795354**	**27916906**
हिमाचल प्रदेश	3424834	3384752	105	105	934451	905435	2767116	2971171					3471715	3527200	**10598221**	**10788663**
जम्मू और कश्मीर	4544784	5602821	0	0	561433	649280	1264988	1271939					3949544	4003971	**10320749**	**11528011**
कर्नाटक	28630803	28726293	1550	1549	12007384	11737915	7324448	7327006					19423779	19621752	**67387964**	**67414515**
केरल	5531696	5567226	625	634	18471237	18441748	10936754	10972574					8561983	8693941	**43502295**	**43676123**
कोलकाता	6354972	6326162	36	36	7679355	7600548	1856520	1946039					9760191	9788521	**25651074**	**25661306**
मध्य प्रदेश	14769663	14640460	738	758	24926265	24141435	6315355	6315980					28865775	29511247	**74877796**	**74609880**
महाराष्ट्र	15970302	16086073	1082	1077	39676542	39550093	7089469	7241522					29884843	30519389	**92622238**	**93398154**
मुंबई	9800346	9877605	2420	2471	13468986	13288940					1190068	1186107	13634278	13766730	**38096098**	**38121853**
उत्तर–पूर्व	5227184	5218385	0	0	1926024	1878271	1466782	1409289					3492349	3554006	**12112339**	**12059951**
ओड़ीशा	11756381	11618841	368	368	3430621	3370789	6023748	6100003					11802088	12082110	**33013206**	**33172111**
पंजाब	10342217	10326810	279	319	9712824	9609814	5723473	5764539					13325697	13432899	**39104490**	**39134381**
राजस्थान	21334295	21260045	333	372	13958201	13898382	6139102	6198319					23897943	24194554	**65329874**	**65551672**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25604916	25456293	3200	3226	21164029	20962158	12370450	12468041	90951	91545			22568898	22910758	**81802444**	**81892021**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30864257	30873212	856	853	26665805	26443773	11654121	11768215					26509498	27243790	**95694537**	**96329843**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13545301	13664867	306	305	24679320	24599457	5941889	5971430					18731325	19173890	**62898141**	**63409949**
पश्चिम बंगाल	15891719	15746165	814	815	20035243	19663708	2142879	2271223					17211626	17615731	**55282281**	**55297642**
कुल	**327297725**	**328151987**	**17717**	**18069**	**332612871**	**328989207**	**118025372**	**119245717**	**90951**	**91545**	**3376303**	**3370668**	**370016160**	**376571577**	**1151437099**	**1156438770**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		854262		352		-3623664		1220345		594		-5635		6555417	**0**	**5001671**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*145481978*	*147706388*	*0*	*0*	*172444916*	*170769483*	*37354225*	*37756939*	*0*	*0*	*45692*	*45657*	*152137653*	*155623117*	**507464464**	**511901584**

अनुलग्नक–**II**

जनवरी, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	105.28	65.20	91.10		58.26	77.56	**88.28**
असम	97.13	53.62	85.03		-	83.82	**85.21**
बिहार	93.21	50.70	84.98		98.29	94.45	**89.43**
दिल्ली	84.54		81.89	17.79	28.94	76.48	**78.23**
गुजरात	94.41	50.77	97.02		28.94	78.24	**85.98**
हरियाणा	100.99	37.32	89.87		52.14	63.23	**73.30**
हिमाचल प्रदेश	96.09	38.53	98.03		34.29	72.31	**72.63**
जम्मू और कश्मीर	98.60	58.04	82.99		-	74.48	**84.87**
कर्नाटक	93.54	58.70	92.82		88.96	81.01	**85.98**
केरल	96.17	68.27	95.15		28.71	69.44	**83.41**
कोलकाता	93.69	51.97	92.92		-	81.94	**85.82**
मध्य प्रदेश	111.09	48.75	88.01		48.55	91.71	**90.68**
महाराष्ट्र	85.00	55.47	94.88		48.56	89.51	**88.37**
मुंबई	78.32		79.44	45.10	124.08	73.50	**75.94**
उत्तर–पूर्व	98.22	75.50	80.53		-	95.21	**91.92**
ओड़ीशा	96.39	67.11	93.21		13.59	89.04	**88.00**
पंजाब	97.37	42.28	85.51		21.32	68.70	**76.50**
राजस्थान	96.18	47.39	91.08		37.37	77.60	**83.63**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	93.58	67.87	91.03		70.92	79.49	**85.04**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	97.39	38.53	94.09		38.92	88.56	**86.80**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	95.65	43.09	86.67		11.80	79.90	**82.46**
पश्चिम बंगाल	94.43	82.24	88.85		27.36	86.71	**89.48**
कुल	**95.37**	**54.88**	**90.36**	**27.40**	**67.14**	**82.26**	**85.30**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020	दिसंबर, 2019	जनवरी, 2020
आन्ध्र प्रदेश	789437	770343			215233	207678	32460	31428	171926	170325			46465	49025	100155	100170	1355676	1328969
असम	97819	96405											3390	3420	11219	11359	112428	111184
बिहार	151311	149363					2203	2206	8334	8528			1920	1920	15319	15401	179087	177418
दिल्ली	0		1410426	1401938	1484992	1482973	75735	71165	146623	148611			69085	72630	81880	81885	3268741	3259202
गुजरात	826150	738535			97525	97489	11058	10571	86137	85666			31785	33097	139023	139027	1191678	1104385
हरियाणा	185133	180830			21975	22086	1815	1766	39029	38547			330	360	24024	24030	272306	267619
हिमाचल प्रदेश	97819	96638					1343	1239	1957	1896			60	60	355	719	101534	100552
जम्मू और कश्मीर	123459	124172					0		0				0		9284	9709	132743	133881
कर्नाटक	900147	881273			726529	732935	103570	101270	275474	275165			58047	61027	57051	57417	2120818	2109087
केरल	1610709	1503220			63134	63345	11847	11002	19586	19643			5640	5610	12900	13258	1723816	1616078
कोलकाता	407553	401784			131949	133968	34760	34192	50247	50105			11840	10220	33036	33627	669385	663896
मध्य प्रदेश	553213	471643			240471	241127	5316	5043	13635	13614			1980	2250	49614	49626	864229	783303
महाराष्ट्र	920456	901303			107293	109369	38805	37970	262002	260742			26480	30733	36998	37002	1392034	1377119
मुंबई	0	0	1712597	1706484	390886	393304	149162	146722	542573	543608			71215	91271	206351	206381	3072784	3087770
उत्तर–पूर्व	93865	92235											240	270	4675	4948	98780	97453
ओड़ीषा	191530	188192					1771	1711	8588	8620			5730	5730	7218	7224	214837	211477
पंजाब	331049	325322			138041	138705	10165	9873	12093	12411	197881	192339	3000	3060	36878	39237	729107	720947
राजस्थान	377178	369595			57267	57340	13830	13403	11569	11459			13590	10221	41247	41266	514681	503284
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1238419	1190911			547511	547173	52922	49968	122882	123464			25660	31450	84261	84276	2071655	2027242
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	294482	288185			62411	62681	3213	3068	8297	8200			19740	20040	33807	33812	421950	415986
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	222530	216687			24538	24782	2276	2216	4792	4924			5490	5550	57397	56998	317023	311157
पश्चिम बंगाल	167020	164547					1615	1615	2477	2447			120	120	8010	8017	179242	176746
कुल	**9579279**	**9151183**	**3123023**	**3108422**	**4309755**	**4314955**	**553866**	**536428**	**1788221**	**1787975**	**197881**	**192339**	**401807**	**438064**	**1050702**	**1055389**	**21004534**	**20584755**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		**-428096**		**-14601**		**5200**		**-17438**		**-246**		**-5542**		**36257**		**4687**		**-419779**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**2440716**	**2285459**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1007**	**972**	**46926**	**46916**	**38565**	**37237**	**0**	**0**	**2977**	**2520**	**2530191**	**2373104**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

______